Dainik Bhaskar (Indore), 04th March 2025, Page- 10

15 स्टार्टअप्स को मिली 5 करोड़ की फंडिंग, दिल्ली में मंत्री जितेंद्र सिंह और सांसद लालवानी ने सौंपे पत्र

कैंसर, अल्जाइमर जैसी कई बीमारी होने से पहले पता लगेगी, ट्रेन एवं प्लेन में भी हो सकेंगे इमरजेंसी टेस्ट

भास्कर संवाददाता | इंदौर

आईआईटी के प्रोफेसर्स व भोपाल एम्स के डॉक्टर्स ने मिलकर 15 ऐसे स्टार्टअप शुरू किए हैं, जिनकी मदद से कैंसर, अल्जाइमर सहित कई गंभीर बीमारियों के होने से पहले पता चल सकेंगी व इनका आसानी से इलाज हो सकेगा। साथ ही ट्रेन एवं प्लेन में भी हो सकेंगे इमरजेंसी टेस्ट हो सकेंगे। वहीं गांव के लोगों को सोनोग्राफी के लिए शहर नहीं आना पड़ेगा, मशीन अब उनके घर पहुंच जाएगी। सोमवार को दिल्ली के हैबिटेट सेंटर में हुए आयोजन में इन 15 स्टार्टअप को 5 करोड़ की फंडिंग दी गई। साइंस एंड टेक्नोलॉजी मंत्री जितेंद्र सिंह एवं इंदौर सांसद शंकर लालवानी ने इन्हें फंडिंग का लेटर दिया।

केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा देश में शिक्षा पद्धतियों में लाए गए सुधार का परिणाम नजर आने लगा है। डॉक्टर्स, इंजीनियर मिल कर काम कर रहे हैं। सरकार ने नई शिक्षा नीति-2020 में इसे और बेहतर बनाने का प्रयास किया है। सांसद लालवानी ने कहा, तकनीकी क्रांति से अब बहुत से काम आसान हो गए हैं। कार्यक्रम में डिपार्टमेंट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के सेक्रेटरी अभय करंदीकर, आईआईटी इंदौर के डायरेक्टर प्रोफेसर सुहास जोशी, साइंस एंड टेक्नोलॉजी मिनिस्ट्री के अंतर्गत आने वाले डिपार्टमेंट ऑफ फ्यूचरिस्टिक टेक्नोलॉजी की हेड डॉ. एकता कपूर मौजूद थीं।

इन स्टार्ट अप ने जीवन को आसान बनाया

- स्टार्ट अप नोवा वाक ने आईआईटी में इनक्यूबेट किया है। पैरालिसिस, उम्र या अन्य किसी कारण से चलने-फिरने में असमर्थ लोग भी अब चल सकेंगे। कंपनी ने अनोखा वियरेबल सॉल्यूशन बनाया है।
- आम तौर पर डॉक्टर्स को इलाज में भाषा की परेशानी होती है। अब एआई के उपयोग से डॉक्टर्स किसी भी भाषा में मरीज से बात कर सकेंगे।
- ग्रामीण क्षेत्रों में जांच की सुविधाएं नहीं होती हैं। खास कर एक्स रे, सोनोग्राफी में परेशानी आती है। आईआईटी व एम्स ने ग्रामीण क्षेत्रों के लिए एक पोर्टेबल उपकरण इजाद किया है। जिसमें अल्ट्रासाउंड रोबोट की मदद से सोनोग्राफी आसानी से हो सकेगी।
- जांच सुविधाओं पर आधारित एक और स्टार्टअप काम करेगा। आईआईटी के इंजीनियर्स ने एक ऐसी पोर्टेबल ब्लड टेस्टिंग यूनिट बनाई है, जिसे सूटकेस में रखा जा सकता है। इससे ब्लड की टेस्ट कहीं भी की जा सकेगी।